

पहली बार 2 शावकों के साथ दिखी एसटी-19 बाघिन

सरिस्का रिजर्व के ट्रैप कैमरे में दिखी रॉयल फैमिली, टाइगर की संख्या अब 25 हो गई है

अलवर, 5 जनवरी (निसं)। अलवर बफर जोन में एसटी-19 बाघिन अपने 2 शावकों के साथ नजर आई हैं। ट्रैप कैमरा की तस्वीरों सामने आने के बाद सरिस्का प्रशासन ने खुशी जताई है। अब सरिस्का में टाइगर की संख्या 25 हो गई है। इनमें 11 फीमेल, 8 मेल और 6 शावक हैं।

सरिस्का बाघ परियोजना के वन संरक्षक एवं क्षेत्र निदेशक आरएन मीणा ने बताया कि सरिस्का के अलवर बफर जोन के बारालिचारी वन क्षेत्र में टाइगर एसटी 19 के दो शावक दिखे हैं। इनकी उम्र करीब 2 माह लगती है। 5 जनवरी को पहली बार शावक नजर आए हैं। वैसे टाइगर एसटी 19 की मॉनिटरिंग पिछले साल अक्टूबर और नवम्बर माह से जारी थी। अब टाइगर के शावक मिलने के बाद वन अधिकारी व कर्मचारियों को विशेष मॉनिटरिंग रखने के निर्देश दिए गए हैं। इस क्षेत्र में और मॉनिटरिंग के लिए कैमरा ट्रैप लगाए जा चुके हैं। बफर जोन का क्षेत्र अलवर शहर के बाला किला, सिलीसेड , डडीकर तक आता है। हालांकि इस क्षेत्र में टाइगर की साइटिंग नहीं के बराबर है।

अब टाइगर के शावक होने से भविष्य में साइटिंग होने की संभावनाएं बढ़ने लगी है। असल में सरिस्का में टाइगर का कुनबा भी खूब बढ़ता जा रहा है। साल 2004 में पूरे सरिस्का में एक भी बाघ नहीं बचा था। वर्ष 2008 में पहली बार सरिस्का में बाघ शिफ्ट किया गया। उसके बाद सरिस्का वापस बाघों से आबाद होने लगा है। यहां बाघ की संख्या



सरिस्का टाइगर रिजर्व में बाघिन एस टी-19 दो शावकों के साथ विचरण करती हुई देखी गई हैं। हाल ही में बाघिन और उसके शावकों की तस्वीरें कैमरा ट्रैप में रिकॉर्ड हुई हैं।

बढ़ने के साथ ट्रिस्ट की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। भविष्य में यह संख्या और

तेजी से बढ़ने के आसार हैं। वन अधिकारियों के अनुसार अलवर बफर

जोन करीब सवा दो सौ किलोमीटर में फैला है।

3 ऑक्सीजन प्लांट लगाए, दो चलाने को स्टाफ ही नहीं

श्रीगंगानगर, 5 जनवरी (कासं)। कोरोना की तीसरी लहर जोर पकड़ रही है और श्रीगंगानगर में ही इसके करीब 25 से ज्यादा एक्टिव केस हैं। यहां के सरकारी अस्पताल में पहली और दूसरी लहर के बाद आनन-फानन में कई व्यवस्थाएं की गईं। अस्पताल में तीन ऑक्सीजन प्लांट लगावा भी लिए गए, लेकिन अब भी इनमें से काम एक ही आ रहा है। शेष दो को टेस्ट करके चलने लायक पाया तो गया है लेकिन इन्हें चलाने के लिए स्टाफ की व्यवस्था अब भी अस्पताल में तैयार नहीं है।

अस्पताल में अभी तीन ऑक्सीजन प्लांट लगे हुए हैं। इनमें से एक कोरोना की पहली लहर से पहले से ही चल रहा है तथा यह अस्पताल की डिमांड पूरी कर पाता है। ऐसे में यदि कोरोना की तीसरी लहर आती है तो नए बने हुए प्लांट की जरूरत महसूस होगी। अभी

सरकारी अस्पताल में कोरोना से लड़ने की तैयारी अधूरी, अचानक कोरोना रोगी आए तो होगी परेशानी।

चल रहे एक मात्र प्लांट के संचालन के लिए भी सिक्वोरिटी गार्ड ही काम कर रहे हैं। अस्पताल के एक-दो गेटों से इन्हें हटाकर यहां लागाया गया है।

पहली लहर के बाद से ही अस्पताल में एक्सट्रा ऑक्सीजन प्लांट की डिमांड होने लगी थी। इसी को देखते हुए पहले 65 और फिर करीब दो सौ सिलेंडर क्षमता के दो प्लांट लगाए गए। ऐसे में अस्पताल में तीन ऑक्सीजन प्लांट हो गए लेकिन अब भी चल एक ही रहा है। इलाके में कोरोना रोगी मिल

रहे हैं। पिछले दिनों विदेश से लौटे एक व्यक्ति के पॉजिटिव पाए जाने के बाद तो प्रशासन लगातार रोग को लेकर अलर्ट है। सीएमएचओ डॉ. जीएल मेहरड़ा ने प्रशासन की तैयारियों की जानकारी भी दी लेकिन इसके बावजूद अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट चलाने को स्टाफ को लेकर अब तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं है।

सरकारी अस्पताल के पीएमओ डॉ. बलदेव सिंह बताते हैं कि अस्पताल में कोरोना को लेकर तैयारी है। कोरोना वार्ड में अब तक कोई रोगी नहीं है। ऑक्सीजन प्लांट के बारे में उनका कहना था कि प्लांट तो तीनों तैयार है। एक काम कर रहा है और बाकी दोनों को भी टेस्ट कर लिया गया है लेकिन इन्हें चलाने के लिए स्टाफ नहीं है। चलाने के लिए सिक्वोरिटी गार्ड में से ही व्यवस्था करनी पड़ेगी।

उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री पद अपनी पत्नी रश्मि ठाकरे को सौंपेंगे?

पुणे, 5 जनवरी (वार्ता)। महाराष्ट्र भाजपा उपाध्यक्ष चित्रा वाघ ने बुधवार को कहा कि यदि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पत्नी रश्मि ठाकरे को मुख्यमंत्री का पद सौंपते हैं तो उनकी पार्टी राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री के रूप में उनका स्वागत करेगी।

ठाकरे के खराब स्वास्थ्य के कारण हाल ही में विधानसभा के पांच दिवसीय शीतकालीन सत्र में उपस्थित नहीं होने के कारण रश्मि ठाकरे को मुख्यमंत्री पद सौंपने की अटकलों पर वाघ आज अपनी टिप्पणी दी। वाघ ने कहा कि महा विकास अथाड़ी सरकार में मंत्री या मुख्यमंत्री बनने के लिए किसी अनुभव की जरूरत नहीं है। उन्होंने इस बात की भी आलोचना की कि जब शिवसेना नेता गुलाब राव पवार ने भाजपा सांसद हेमा मालिनी का अपमान किया तो उनके खिलाफ एक सख्त धारा के तहत मामला क्यों नहीं दर्ज किया गया।

‘सरकार पेट्रोल-डीजल के दामों में 25 रू. की कटौती करे’

नई दिल्ली, 5 जनवरी (वार्ता)। कांग्रेस ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में जिस स्तर पर गिरावट आयी है उसके अनुसार देश की जनता को राहत देते हुए सरकार को पेट्रोल तथा डीजल के दाम 25 रुपए तक कम करनी चाहिए।

■ कांग्रेस ने कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कूड ऑयल के दाम कम हो चुके हैं लेकिन सरकार महंगे पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती का कोई नाम ही नहीं ले रही

कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने यह मांग करते हुए कहा कि मोदी सरकार तेल पर उत्पाद शुल्क कांग्रेस सरकार के स्तर पर लाकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में हो रही कमी का लाभ देशवासियों को पहुंचाए और पेट्रोल की कीमतों में 26.42 तथा डीजल की कीमतों में 25.24 रुपए की कमी करो उन्होंने कहा कि हाल में हिमाचल प्रदेश सहित कई राज्यों में उप चुनाव हारने पर मोदी सरकार ने तुरंत पांच रुपए प्रति लीटर की कमी का झुनझुना देशवासियों को धमा दिया था।

‘करोना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) राजनैतिक दलों की पैठ का लाभ उठाया करता है। जहाँ तक उत्तर प्रदेश का प्रश्न है, ऐसा लग रहा है कि सपा ने भाजपा को मुख्य चुनौती देने वाली पार्टी के रूप में अपनी स्थिति काफी मजबूत कर ली है।

‘पंजाब के एक किसान संगठन ने प्र.मंत्री का काफिला रोकने की जिम्मेदारी ली’

भारतीय किसान संघ (क्रांतिकारी) के सदस्यों ने दावा किया, कि हमने फिरोजपुर पहुंचने से पहले ही प्रधानमंत्री का काफिला रास्ते में रोक दिया

चंडीगढ़, 5 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज पंजाब दौरे पर थे। इस दौरान उनकी सुरक्षा में भारी चूक हुई। इस कारण से उन्हें बीच में ही अपनी यात्रा स्थगित कर वापस दिल्ली आना पड़ गया। फिरोजपुर जिले के पियारियाना गांव में बुधवार को पीएम मोदी के काफिले को रोकने की जिम्मेदारी भारतीय किसान संघ (क्रांतिकारी) के सदस्यों ने ली है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आज पंजाब दौरे के विरोध में किसानों के एक समूह ने पियारेना गांव के पास फ्लाईओवर को जाम कर दिया था। जिस समय इन प्रदर्शनकारियों ने घुड़सवारी को आते देखा, वे कथित तौर पर सड़कों

नई गाइड लाइन के तहत ‘प्रशासन शहरों व गांवों के संग’ अभियान स्थगित

राज्य में बढ़ते कोरोना संक्रमण के चलते गृह विभाग ने नई गाइड लाइन जारी कर कई पाबंदियां लगाईं

–कार्यालय संवाददाता– जयपुर, 5 जनवरी। राजस्थान में कोरोना के नये वैरिएंट ‘ओमक्रॉन’ के बढ़ते संक्रमण के चलते राज्य सरकार ने ‘प्रशासन शहरों व गांवों के संग’ अभियान के शिविर स्थगित कर दिये हैं। साथ ही जयपुर के साथ-साथ अब जोधपुर शहरी क्षेत्र में भी आठवाँ कक्षा तक के स्कूल 17 जनवरी तक बंद रहेंगे। पूरे प्रदेश में रात 11 से सुबह 5 बजे तक जनअनुशासन कर्फ्यू लागू रहेगा। गृह विभाग ने बुधवार देर शाम नई गाइडलाइन जारी करके यह पाबंदियां लगाई है। यह गाइडलाइन आगामी 7 जनवरी से लागू होगी।

दरअसल बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये राज्य मंत्रिपरिषद् की बैठक में सुझाव आये थे कि प्रदेशभर में पाबंदियां लागू की जाएं, अन्यथा कोरोना संक्रमण बेकाबू हो जाएगा।

इसके बाद देर शाम गृह विभाग ने गाइडलाइन जारी कर दी। इसमें कहा गया है कि ‘प्रशासन शहरों व गांवों के संग’ अभियान के शिविर आगामी आदेश तक स्थगित रहेंगे। ऐसे में अब पट्टावितरण का काम ठप होने की पूरी-पूरी संभावना है। इसके अलावा जयपुर के साथ-साथ अब जोधपुर शहर में भी आठवाँ कक्षा तक के सरकारी व निजी स्कूल 17 जनवरी तक बंद किये गये हैं। जबकि गत 2 जनवरी को जारी

■ जयपुर के साथ-साथ अब जोधपुर शहर में भी आठवाँ कक्षा तक के स्कूल 17 जनवरी तक बंद रहेंगे

■ प्रदेश में रात 11 से सुबह 5 बजे तक जनअनुशासन कर्फ्यू लागू रहेगा।

गाइडलाइन में सिर्फ जयपुर ग्रेटर व हैरिटेज क्षेत्र (शहरी क्षेत्र) के स्कूलों को 9 जनवरी तक बंद करने का निर्णय लिया गया, जिसे अब बदल दिया गया है।

गाइडलाइन में कहा गया है कि

राज्य के अन्य जिलों में स्कूल बंद करने का निर्णय वहां के कलेक्टर शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव से चर्चा करने के बाद ले सकेंगे।

9वाँ कक्षा से ऊपर के सभी स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी और कोचिंग संस्थानों का संचालन कोविड प्रोटोकॉल की पालना के साथ करवाना होगा।

इसके अलावा प्रदेश के जिन नगर निगम व नगरपालिका क्षेत्रों में सोशल डिस्टेंस से बैठने की व्यवस्था नहीं है, वहां 50 फीसदी स्टॉफ को ही ऑफिस बुलाया जाएगा, शेष आधा स्टॉफ ‘वर्क फ्रॉम होम’ करेगा। किसी भी कार्यालय में कर्मचारी के कोविड पॉजिटिव आने पर उस ऑफिस को 72 घंटे के लिए बंद करना होगा।

प्रदेश में नए कोरोना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) हुए हैं। इसके साथ ही राज्य में अब तक 9 लाख 46 हजार 470 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। प्रदेश में लगातार नए मामले बढ़ने से रिकवरी रेट घटकर 98.54 फीसदी और पॉजिटिविटी रेट 3.32 प्रतिशत हो गई है। इधर प्रदेश में एकटम को 9 जनवरी तक बंद करने के निर्णय सबसे ज्यादा 3246 मामले जयपुर जिले में हैं। इसके अलावा जोधपुर में

584, अजमेर में 209, अलवर में 186, कोटा में 163, बीकानेर में 89, भीलवाड़ा में 82, भरतपुर में 70, प्रतापगढ़ में 63 और उदयपुर में 60 एक्टिव केस मौजूद हैं।

जयपुर और जोधपुर में बुधवार को कोरोना से 1-1 संक्रमित की और मौत हो गई है। इसके साथ प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 8967 लोगों की मौत हो चुकी है।

पक्षी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) कॉर्डिनेटर डॉ. सुभाष पहाड़िया ने बताया है कि आईयूसीएन की सहयोगी संस्था वेटलैंड्स इंटरनेशनल, बीआरडीएस संस्था और वन विभाग द्वारा एशियन वाटरबर्ड सेंसस 2022 के कार्यक्रम के अन्तर्गत मोरेल बांध वेटलैंड पर 12 जनवरी को प्रवासी व आवासीय जलीय पक्षियों की गणना की जाएगी।

लालसोट उपखंड में मोरेल बांध पर हर साल आने वाले प्रवासी पक्षियों ने इस वेटलैंड को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। 19 दिसंबर को की गई गणना में यहां 65 प्रजातियों के 6 हजार से अधिक पक्षी रिकॉर्ड किए गए थे। वेटलैंड इंटरनेशनल द्वारा हर साल जनवरी में 1 से 20 तारीख तक भारत सहित दक्षिण एशिया के देशों और आस्ट्रेलिया में प्रवासी व आवासीय जलीय पक्षियों की गणना की जाती है। एशियन वाटरबर्ड सेंसस भारत की राष्ट्रीय कार्य योजना में शामिल मध्य एशियाई प्लानेटिव 2018-2023 के साथ प्रवासी पक्षियों और उनके आवासों के संरक्षण हेतु भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त महत्वपूर्ण पक्षी गणना है। मोरेल बांध की जैव विविधता के संरक्षण के लिए कार्य कर रहे राजेश पायलेट गवर्नमेंट पीजी कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पहाड़िया को जिला पर्यावरण समिति का सदस्य नामित किया गया है। जिले के पर्यावरण संरक्षण के साथ ही मोरेल बांध वेटलैंड को पक्षी विहार अथवा कंजर्वेशन रिजर्व घोषित करने के कार्य को समिति को कार्य योजना में शामिल किया गया है। डॉ पहाड़िया पिछले तीन साल से लगातार मोरेल बांध की जैवविविधता और प्रवासी पक्षियों पर शोध कार्य कर रहे हैं। मोरेल बांध पर आने वाले जल वन प्रवासी पक्षियों की बड़े पैमाने पर बड़ी संस्थाओं के साथ होने वाली घटना की सूचना मिलने के बाद ग्रामीणों में काफी हर्ष और उत्साह देखा जा रहा है।

‘दुर्घटना के वक्त जनरल रावत के हेलिकॉप्टर में कोई तकनीकी खामी या टूट-फूट नहीं हुई थी’

नई दिल्ली, 5 जनवरी (वार्ता)। देश के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत का हेलिकॉप्टर पिछले महीने अचानक घने बादलों में फंसने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हुआ था और किसी तकनीकी गड़बड़ी या तोड़ फोड़ की साजिश के कारण यह दुर्घटना नहीं हुई थी।

इस दुर्घटना की जांच के लिए गठित कोर्ट ऑफ इंक्वायरी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को बुधवार को सौंपी रिपोर्ट में यह बात कही है। गत आठ दिसम्बर

को कन्नूर के निकट हुई इस दुर्घटना में जनरल रावत, उनकी पत्नी और 12 अन्य सैनिकों की मौत हो गयी थी।

सूत्रों के अनुसार दुर्घटना की जांच के लिए तीनों सेनाओं के अधिकारियों की संयुक्त टीम ने रिपोर्ट में दुर्घटना के कारणों के साथ-साथ अति विशिष्ट व्यक्तिगतों की हेलिकॉप्टर यात्रा के संबंध में कुछ महत्वपूर्ण सिफारिशें भी दी हैं।

एयर मार्शल मानवेंद्र सिंह की अध्यक्षता वाली टीम ने रक्षा मंत्री के सामने दुर्घटना के कारणों का खाका भी

■ सेना ने रक्षा मंत्री को सौंपी गई रिपोर्ट में बताया कि, घने बादलों के बीच हेलिकॉप्टर के फंस जाने के कारण दुर्घटना हुई थी।

■ सूत्रों के अनुसार दुर्घटना की जांच के लिए तीनों सेनाओं के अधिकारियों की संयुक्त टीम ने रिपोर्ट में दुर्घटना के कारणों जांच की है।

पेश किया। इस मौके पर वायु सेना प्रमुख विवेक राम चौधरी और रक्षा सचिव अजय कुमार भी मौजूद थे।

सूत्रों ने बताया कि रिपोर्ट में कहा गया है कि हेलिकॉप्टर के अचानक घने बादलों में फंसने के कारण एक विशेष

स्थिति ‘कंट्रोल्ड फ्लाइट इंटरू टेरें’ बन गयी जिसमें घने बादलों के कारण पायलट को नजर नहीं आता और हालात उसके काबू से बाहर हो जाते हैं जिससे हेलिकॉप्टर जमीन, पहाड़ या अन्य किसी चीज से टकरा जाता है।

जांच रिपोर्ट में हेलिकॉप्टर दुर्घटना के लिए किसी तरह की तकनीकी गड़बड़ी या तोड़-फोड़ की साजिश जैसी आशंकाओं को खारिज किया गया है। जांच टीम ने अति विशिष्ट व्यक्तियों की यात्रा के संबंध में मानक संचालन प्रक्रिया

की समीक्षा करने की भी सिफारिश की है। जांच टीम ने एक महीने से भी कम समय में रिपोर्ट देने से पहले सभी पहलुओं से सबूतों तथा ब्लैक बॉक्स की जांच के साथ-साथ तामाम परिस्थितियों का अध्ययन किया है। जांच में पायलट के हड़बड़ी में किसी तरह का संपर्क करने के भी संकेत नहीं मिले हैं। इस हेलिकॉप्टर को उडा रहे विंग कमांडर पृथ्वी सिंह चौहान खुद हादसे में मारे गये और उन्हें विशेष परिस्थितियों में उडान भरने का अच्छा खासा अनुभव था।

हाथ में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) किसानगढ़ फोल्ड फायरिंग रेंज में बहुत सारी संख्या में बम पड़े थे। उसने एक बम को जैसे ही हाथ में लिया भी ये हादसा हो गया। उसके साथ वाले चखाहे उसे लेकर रामगढ़ अस्पताल लाए जहां गंभीर अवस्था में उसे जैसलमेर लाया गया।

फिरोजपुर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) घोषणाएं भी करनी थीं तथा वे सब अब ताक पर रख दी गईं। ऐसा लग रहा है कि प्रधानमंत्री और भाजपा इन आरोपों को लगाते हुये फूलें नहीं समा रहे हैं लेकिन मोदी द्वारा किये जा रहे इस ड्रामे को स्वीकार करने वाले गिने-चुने लोग ही हैं।

प्र.मंत्री फिरोज़पुर यात्रा स्थगित कर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) भाजपा के चुनावी फायदे के लिए एक सहानुभूति प्राप्त करने के एक स्पष्ट प्रयास के तहत मोदी ने राज्य के अधिकारियों से कहा: “अपने सी.एम. को थैंक्स कहना, कि मैं भटिण्डा एयरपोर्ट तक जिन्दा लौट पाया।”

भाजपा ने इसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हुए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की, जिसे केन्द्रीय मंत्री स्मृति इरानी ने संबोधित किया और प्रधानमंत्री ने जीवन को जोखिम में डालने वाली सुरक्षा चूक के लिए कांग्रेस सरकार को जिम्मेवार माना।

दूसरी ओर, कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने एक ट्वीट में कहा कि फिरोजपुर की प्रस्तावित सभा में लोगों के कम संख्या में एकत्रित होने के कारण दौरा निरस्त किया गया। सुरजेवाला ने कहा कि लोगों ने प्रधानमंत्री की रैली से स्वयं को दूर रखकर अभिमान शासकों को एक आईना दिखाया है।

सुरजेवाला ने भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा को दोषारोपण से बाज आने की नसीहत देते हुए कहा कि उनके लिए स्वयं का आत्मपरीक्षण करना ही बेहतर होगा।

नड्डा ने इससे पूर्व श्रृंखलाबद्ध ट्वीट्स कर इसका पंजाब की राज्य सरकार को दिया था। इससे पहले, मुख्यमंत्री चर्ची ने इस पर जोर दिया कि सुरक्षा में कोई चूक नहीं हुई। उन्होंने प्रधानमंत्री की अगुवानी करने जाना था, लेकिन मेरे साथ आने वाले लोग कोविड पॉजिटिव आ गए। इसलिए मैं आज प्रधानमंत्री की अगुवानी करने नहीं जा सकता क्योंकि पॉजिटिव आए कुछ लोगों के मैं निकट सम्पर्क में था।”

सुरक्षा में हुई चूक को लेकर मुख्यमंत्री की खुद की पार्टी के ही नेता सुनील जाखड़ ने उनकी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह “पंजाबियत” के खिलाफ है और बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है।

भी ऑफर किया गया था, लेकिन उन्होंने वापिस लौटने का विकल्प चुना।

पंजाब के मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि आजी की घटना को लेकर किसी भी अधिकारी को निर्लंबित नहीं किया जाएगा।

प्रधानमंत्री का एयरपोर्ट पर स्वागत नहीं करने के उगाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि “मुझे आज भटिण्डा में प्रधानमंत्री की अगुवानी करने जाना था, लेकिन मेरे साथ आने वाले लोग कोविड पॉजिटिव आ गए। इसलिए मैं आज प्रधानमंत्री की अगुवानी करने नहीं जा सकता क्योंकि पॉजिटिव आए कुछ लोगों के मैं निकट सम्पर्क में था।”

सुरक्षा में हुई चूक को लेकर मुख्यमंत्री की खुद की पार्टी के ही नेता सुनील जाखड़ ने उनकी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह “पंजाबियत” के खिलाफ है और बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है।

मोदी बुधवार की सुबह ही भटिण्डा

के भिसियाना एयरपोर्ट पहुंच गए थे और किसानों द्वारा सड़क जाम किए जाने के कारण वे फिरोजपुर-मोगा रोड पर पिआरिआना गांव के पास एक फ्लायओवर पर फंस गए। किसान उनके आगे जाने का विरोध कर रहे थे। प्रधानमंत्री की मूल योजना हैलीकॉप्टर से फिरोजपुर जाने की थी, लेकिन मौसम खराब होने की वजह से उन्हें सड़क मार्ग से जाना पड़ा। पिछले दो वर्षों में मोदी का यह प्रथम पंजाब दौरा था।

प्रधानमंत्री का काफिला जब मार्ग खुलने की प्रतीक्षा कर रहा था, तभी पास के एक गुरुद्वारे से की गई घोषणा के बाद प्रस्थान स्थल पर और किसान एकत्रित हो गए, जिसके कारण प्रधानमंत्री की एसपीजी सुरक्षा टीम को सुरक्षा जोखिम की आशंका के चलते पुनः लौटने का निर्णय लेना पड़ा। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री का काफिला करीब 15 मिनट तक फ्लायओवर पर फंसा रहा।

पंजाब के दौरे जाने से कुछ घंटों

पूर्व ही प्रधानमंत्री ने बुधवार को ही एक ट्वीट में कहा था कि “मैं आज पंजाब में अपने भाईयों और बहनों के बीच होने की बात जोर रहा हूँ।”

मोदी ने एक ट्वीट में कहा कि “फिरोजपुर के एक कार्यक्रम में 42 हजार 750 करोड़ रूपयों के विकास कार्य की आधारशिला रखी जाएगी, जिससे लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा।”

इस बीच, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने एक मंच साझा कर मुख्यमंत्री चर्ची की सरकार पर आरोप लगाया कि उसने भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को रैली स्थल पर जाने से रोकने के लिए जबरन सड़क जाम करवायी।

जयपुर कायालय: सुधामं एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स: 0141-2373513। पलायथा हाक्स, अजमेर कार्यालय: घुघरा घाटी, जयपुर रोड, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स: 0145-2624665, 01562-256908